

जाएगा। प्रवेश और निकास द्वारों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों तैनात रहेंगे। मैदान और आसपास के क्षेत्रों में 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। नियंत्रण कक्ष से इन कैमरों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा पुलिसकर्मियों शरीर पर लगाए जाने वाले कैमरों (बाडी कैमरों) का भी इस्तेमाल करेंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए दंगा नियंत्रण वाहन और अन्य जरूरी गाड़ियां तैनात रहेंगी।

इदि दिल्ली, 31 अक्टूबर (एएसिया)। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मांक जन महाभागियोग कार्यक्रम आयोजित किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष पर बलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष चाहे किन्तनी भी मांक संसद चलाए या रैलियां निकाले, राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की उसकी कोशिश सफल नहीं होगी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष राहुल गांधी को जिंदगीभर अपना 'मांक प्रधानमंत्री' बनाए रख सकता है। पात्रा ने कहा कि दुनिया समझ चुकी है कि राहुल गांधी में आगे बढ़ने की क्षमता नहीं है और यह सैलाइड कभी लॉन्च नहीं होने वाला। उन्होंने विपक्ष के कार्यक्रम को संसद और लोकतंत्र का मजाक बताया।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संबित पात्रा ने कहा कि विपक्ष ने जो मांक संसद बनाई है, उसे खत्म नहीं करना चाहिए। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि राहुल गांधी को संसद में सत्ता पक्ष की सीटों पर बैठा देना चाहिए। उन्हें टी-शर्ट की जगह कुर्ता-पायजामा पहनकर प्रधानमंत्री की तरह बैठाया जाए और विपक्षी नेता हर दिन प्रधानमंत्री-प्रधानमंत्री के नारे लगाए। पात्रा ने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी को जिंदगीभर अपना मांक प्रधानमंत्री बनाए रख सकती है, भाजपा को इससे कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर बार-बार राहुल गांधी को राजनीतिक रूप से स्थापित

78

यही सजा है? उन्होंने कहा कि उनकी गलती सिर्फ इतनी थी कि एक मुस्लिम ने विश्वविद्यालय बनाया। आजम खान ने कहा कि उन्होंने बच्चों के लिए स्कूल बनाए, क्या यही उनका अपराध है? प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा था कि उसने धर्मगोष्ठ बनाए। निदेशालय काफ़ी तहत रामपुर स्थित आजम खान की मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और इमारतों को कुर्क किया था। एजेंसी के मुताबिक, इन संपत्तियों की मौजूदा बाजार कीमत 1,170 करोड़ रुपये है। ईडी ने आरोप लगाया था कि सार्वजनिक नाजों के लिए मिलने वाले सरकारी धन का इस्तेमाल निजी विश्वविद्यालय के निर्माण में किया गया था। **8** **रु**

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री तारिक रहमान काफ़र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मरने पर फिर भारत विरोधी नारे लगाए गए। राजधानी में शुक्रवार को नेशनल सिटिजन एक्शन (एनसीपी) के नेता नाहिद इस्लाम ने बड़ी संख्या में लोगों को बांग्लादेश के राजधानी में हजारों लोग शामिल हुए। प्रदर्शन में शामिलों ने 'दाका' के नारे लगाए और 'दाका' की ओर लेजर सड़क को घेरा गया। साथ ही मंत्री और ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। 'दाका के नेशनल म्यूजियम के सामने हजारों लोगों ने भारत विरोधी नारे लगाए गए। सोमवार को बांग्लादेश के राजधानी में 'दाका' पर सामने आए वीडियो में एनसीपी के नेता नाहिद इस्लाम ने कहा कि 'दाका' नहीं, 'दाका' का नारा लगाते हैं। इस के जवाब में भीड़ ने 'दाका, दाका' के नारे लगाए। उल्लेखनीय है कि नाहिद इस्लाम 24 के जुलाई विद्रोह के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। इस आंदोलन के बाद शेख हसीना



सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी।
 रैली को संबोधित करते हुए नाहिद इस्लाम ने
 भारत पर बांग्लादेश के खिलाफ साजिश करने का
 आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार
 बांग्लादेश को भारत की साजिशों से नहीं बचा
 पाएगी। उन्होंने सीमा पर लोगों की हत्या, असम
 और पश्चिम बंगाल में मुसलमानों के साथ भेदभाव
 तथा दिल्ली में मस्जिदों को गिराने की योजना होने
 जैसे दावे भी किए। नाहिद ने गंगा जल समझौते
 का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि यदि भारत
 के साथ इस समझौते पर निष्पक्ष तरीके से दोबारा
 बातचीत नहीं हुई तो

8पर



भारतीय जेल में तीन साल की सजा काटने के बाद 10 बांग्लादेशी महिलाएं स्वदेश लौटीं

ढाका

भारत की जेल में तीन साल की सजा काटने के बाद 10 बांग्लादेशी महिलाएं अपने देश लौट आई हैं। इन महिलाओं को भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित बेनापोल अंतरराष्ट्रीय चेकपोस्ट के जरिए बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंपा गया। सभी महिलाएं करीब चार साल पहले मानव तस्करी को मदद से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई थीं। बांग्लादेश की अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र द डेली स्टार ने बेनापोल इमिग्रेशन पुलिस के प्रभारी अधिकारी सैफुर रहमान के हवाले से बताया कि, भारतीय इमिग्रेशन पुलिस ने रात करीब 8:30 बजे पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल में

इन महिलाओं को बांग्लादेशी अधिकारियों के हवाले किया। इस दौरान भारत की बाईर सिक्स्योरिटी फोर्स (बीएसएफ), बाईर गाई बांग्लादेश (बीजीबी) और दोनों देशों की पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये महिलाएं बांग्लादेश के नरैल, जशोर और फरीदपुर जिलों के अलग-अलग इलाकों की रहने वाली हैं। करीब चार साल पहले मानव तस्करी के जरिए वे सतखिरा सीमा से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई थीं।

भारत आने के बाद सभी महिलाएं महाराष्ट्र के पुणे शहर चली गईं, जहां उन्होंने अलग-अलग घरों में घरेलू सहायिका के रूप में काम

करना शुरू किया। हालांकि, भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में भारतीय पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद अदालत ने भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के मामले में इन महिलाओं को तीन साल की जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उन्हें पुणे की एक सेंट्रल जेल में रखा गया।

सजा पूरी होने के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रयासों और आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा किया गया। इसके बाद भारतीय इमिग्रेशन अधिकारियों ने विशेष यात्रा परमिट के तहत सभी 10 महिलाओं को बांग्लादेश वापस भेज दिया। बेनापोल में इमिग्रेशन की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद

रात करीब 11 बजे महिलाओं को बेनापोल पोर्ट पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया। इसके बाद जस्टिस एंड केयर नामक गैर-सरकारी संगठन ने उन्हें अपनी देखरेख में ले लिया। संगठन के अधिकारी सभी महिलाओं को जशोर स्थित अपने शेल्टर होम ले गए हैं। यहां उनके रहने और देखभाल की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही संबंधित अधिकारियों की मदद से उन्हें उनके परिवारों से मिलाने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। तीन साल की जेल की सजा पूरी करने के बाद इन महिलाओं की स्वदेश वापसी भारत और बांग्लादेश के बीच आवश्यक कानूनी एवं राजनयिक प्रक्रियाओं के जरिए संभव हो सकी।

न्यूज़ ब्रीफ

नेपाल की खूबसूरत दुनिया तक पहुंचाने के लिए पर्यटन बोर्ड ने मांगे कंटेंट क्रिएटर्स से आवेदन



काठमांडू। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने देश की प्राकृतिक सुंदरता, पर्वतीय पर्यटन स्थलों, संस्कृति और पर्यटन की संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से टैगल कंटेंट क्रिएटर्स, वीडियोग्राफर्स और फोटोग्राफर्स को एक अभियान से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया है। पर्यटन बोर्ड ने वीडियो, तस्वीरों और अन्य डिजिटल कंटेंट के माध्यम से नेपाल के विविध पर्यटन आकर्षणों को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने में रुचि रखने वाले क्रिएटर्स से आवेदन मांगे हैं। इस अभियान के जरिए देश के हिमालयी नजारों, कम चर्चित पर्यटन स्थल, सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक रीति-रिवाजों को उजागर करने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल का उद्देश्य पर्यटन प्रचार में डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया के इस्तेमाल को बढ़ावा देना भी है। साथ ही, उपरते हुए क्रिएटर्स को नेपाल के पर्यटन आकर्षणों की वैश्विक दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इच्छुक आवेदकों को अपना नाम, पता, संपर्क विवरण और सोशल मीडिया प्रोफाइल या पोर्टफोलियो के लिंक 5 नवंबर, 2026 तक जमा करने होंगे।

मिडटर्न में ट्रंप हारे तो ईरान पर हो सकता है बड़ा सैन्य हमला



वाशिंगटन। अमेरिका में होने वाले मिडटर्न चुनावों से ठीक पहले अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष को लेकर एक चौकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मिडटर्न चुनावों के परिणामों के बाद ईरान के खिलाफ एक बार फिर बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि यदि इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को भारी संकुसान उठाना पड़ता है, तो ट्रंप ईरान के खिलाफ और अधिक आक्रामक रुख अपनाने हुए कड़े सैन्य हमलों का आदेश दे सकते हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि चुनावी नतीजे राष्ट्रपति के रणनीतिक फैसलों को प्रभावित नहीं करेंगे। हाल ही में फ्लोरिडा में अपनी चुनावी रैलियों और एक रेडियो इंटरव्यू के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि ईरान के साथ चल रहा यह टकराव अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच सकता है। समर्थकों को संबोधित करते हुए उन्होंने यहां तक कहा कि अमेरिका एक ओर छोटा एपिक पयूरी आपरेशन चला सकता है, या फिर ईरान को खुद समझदारी दिखाते हुए बातचीत के रास्ते पर आना होगा। गौरतलब है कि आपरेशन एपिक फ्यूरी इसी साल फरवरी में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के मिसाइल और परमाणु ठिकानों को नरसनाबूद करने के लिए शुरू किया गया एक व्यापक सैन्य अभियान था। युद्ध के इन रणनीतिक विकल्पों पर चर्चा तेज हो गई है। हाल ही में अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर, रक्षा मंत्री और जाईंट चीफ्स आफ स्टाफ के अध्यक्ष ने व्हाइट हाउस का आचानक दौरा किया था। इन शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति ट्रंप को मिडटर्न चुनावों के बाद ईरान के विरुद्ध दोबारा बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करने के विभिन्न विकल्पों पर विस्तृत ब्रीफिंग दी है।

कोर्ट प्रेसिडेंट के निलंबन के बाद विदेश यात्रा बीच में छोड़कर लौटे राष्ट्रपति, पोलैंड में महारथा गभीर राजनीतिक और संवैधानिक संकट

वारसा। पोलैंड की राजधानी वारसा में उस समय बड़ा संवैधानिक और राजनीतिक संकट खड़ा हो गया जब देश की सर्वोच्च संवैधानिक अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर आए एक अचानक नोटिस ने न्यायाधिका के शीर्ष नेतृत्व को निलंबित कर दिया। इस अप्रत्याशित कदम के बाद अदालत परिसर को पुलिस ने बैरिकेड लगाकर सील कर दिया, सड़कों पर प्रदर्शनकारी उतर आए और सेनेगल की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे देश के राष्ट्रपति को बीच हवा से अपना विमान वापस वारसा मोड़ना पड़ा। ट्रिब्यूनल के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इस पूरे घटनाक्रम को तस्वीरों पर तस्वीरें दिखाया गया है, जिससे देश भर में भारी हड़कंध मच गया है। गत 30 अक्टूबर की शाम को संवैधानिक न्यायाधिकरण की वेबसाइट पर जारी एक संक्षिप्त नोटिस में घोषणा की गई कि ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष बोगदान स्वेचोव्स्की और उपाध्यक्ष बातोलोमी सोहारस्की को उनके आधिकारिक कर्तव्यों से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके बाद ट्रिब्यूनल की जज अन्ना कोर्विन-पियोत्रोव्स्का ने मीडिया को सभ्यता से आकर दवा किया कि देश में कानून का शासन बहाल करने के लिए यह फैसला लिया गया है और सबसे बरिष्ठ जज होने के नाते वे न्यायाधिकरण का प्रशासन संभाल रही हैं। हालांकि, ट्रिब्यूनल के मौजूदा नेतृत्व और विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी ला एंड जस्टिस ने इस निलंबन को पूरी तरह से गैर-कानूनी और असंवैधानिक घोषित किया है।

अमेरिका ने यूक्रेन को 2.1 अरब डालर की 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की दी मंजूरी

वाशिंगटन

अमेरिका ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट पीएस-3 एमएसई मिसाइलें और उनसे जुड़े उपकरण बेचने की मंजूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस फैसले की घोषणा की। इस सौदे की अनुमानित कीमत 2.1 अरब डॉलर है। खास बात यह है कि इस खरीद का पूरा खर्च यूक्रेन के सहयोगी और साझेदार देश उठाएंगे। हालांकि, मिसाइलों की डिलीवरी में कई साल लग सकते हैं।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू तथा अमेरिकी टेलीविजन नेटवर्क (एबीसी) ने अमेरिकी विदेश विभाग के हवाले से बताया कि, यूक्रेन इस सौदे के लिए कनाडा, जर्मनी और नावें से मिलने वाली आर्थिक सहायता का इस्तेमाल करेगा। यह फंडिंग अमेरिका के जंपस्टार्ट (जाईंट यूक्रेन मल्टीनेशनल प्रोग्राम – सर्विसेज, ट्रेनिंग एंड आर्टिकल्स रैपिड टाइमलाइन) कार्यक्रम के तहत उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा यूरोपीय संघ के यूक्रेन सपोर्ट लोन से भी भुगतान किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया कि इस सौदे में अमेरिका का अपना कोई फंड शामिल नहीं है। इस हथियार सौदे में अमेरिकी रक्षा कंपनी लाकहीड मार्टिन मुख्य ठेकेदार होगी। पैसेज में 500 पीएस-3 एमएसई मिसाइलों के साथ गोपनीय और सामान्य स्पेयर पार्ट्स, लाजिस्टिक्स तथा प्रोग्राम सपोर्ट भी शामिल हैं।

पीएस-3 एमएसई इंटरसेप्टर को तेज गति से आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने के लिए तैयार किया गया है। रूस की ओर से यूक्रेन के ऊर्जा केंद्रों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर लगातार हो रहे मिसाइल हमलों के बीच इन इंटरसेप्टर की मांग बढ़ गई है। जेलेंस्की ने रूस के बढ़ते हमलों का हवाला देते हुए अमेरिका से जल्द से जल्द मिसाइलों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

यूक्रेन के लिए यह मंजूरी महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे इन मिसाइलों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। मामले से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, स्वीकृत मिसाइलों का निर्माण अभी नहीं हुआ है और इनकी डिलीवरी 2030 के शुरुआती वर्षों में होने की संभावना है। यूक्रेन का रक्षा मंत्रालय अमेरिकी रक्षा विभाग से जल्द डिलीवरी की मांग कर रहा है। कीव चाहता है कि अमेरिका अपने मौजूदा मिसाइल भंडार से कुछ



इंटरसेप्टर तत्काल उपलब्ध कराए और बाद में उनकी जगह नई मिसाइलें शामिल कर लें।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हाल ही में कहा था कि यूक्रेन को इस साल अमेरिका से हर महीने औसतन 12 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिले हैं, जबकि रूस की ओर से दागी जाने वाली लगभग 150 बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए उसे हर महीने बड़ी संख्या में इंटरसेप्टर की जरूरत है।

जेलेंस्की के मुताबिक, यूक्रेन करीब एक महीने से पैट्रियट और एनएएसएमएस एयर डिफेंस सिस्टम के लिए मिसाइलों की आपूर्ति संबंधी अमेरिकी मंजूरी का इंतजार कर रहा था।

यूक्रेन में रूसी हमलों के कारण नागरिकों की जान लगातार जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार को निग्रो शहर के एक भीड़भाड़ वाले रेलवे प्लेटफॉर्म पर रूसी ड्रोन हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा दो अन्य शहरों में दिन के समय हुए हमलों में पांच लोगों की जान गई, जबकि कीव में मिसाइल हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई।

अमेरिका ने पैट्रियट मिसाइलों का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए हैं। जुलाई में अमेरिकी सेना ने लाकहीड मार्टिन को पैट्रियट इंटरसेप्टर के निर्माण के

लिए 58.6 अरब डॉलर तक का अनुबंध दिया था।

कंपनी के मुताबिक, इस समझौते से 2030 के अंत तक पीएस-3 एमएसई मिसाइलों की उत्पादन क्षमता तीन गुना करने का लक्ष्य पूरा करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही आर्कासिस के कैमडेन स्थित संयंत्र में कर्मचारियों की संख्या 1,200 से बढ़ाकर करीब 1,850 करने की योजना है। लाकहीड मार्टिन पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह पैट्रियट पीएस-3 इंटरसेप्टर का वार्षिक उत्पादन बढ़ाकर 2,000 मिसाइलों तक पहुंचाएगी। यूरोपीय संघ का यूक्रेन सपोर्ट लोन कार्यक्रम 2026-2027 के लिए 90 अरब यूरो तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध करने की योजना का हिस्सा है। इसमें से 60 अरब यूरो यूक्रेन की रक्षा जरूरतों के लिए निर्धारित किए गए हैं। यूरोपीय आयोग ने इस राशि का इस्तेमाल अमेरिका में निर्मित पैट्रियट मिसाइलों की खरीद के लिए करने की मंजूरी दी है। अमेरिकी की ओर से सहयोगी देशों को हथियारों की आपूर्ति और ईरान में जारी सैन्य अभियानों के कारण उसके अपने हथियार भंडार पर भी दबाव बढ़ने की चिंताएं हैं। ऐसे में यूक्रेन को तत्काल एयर डिफेंस मिसाइलें उपलब्ध कराना और भविष्य की आपूर्ति सुनिश्चित करना अमेरिकी प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

ईरान ने पाबंदियों के बीच गुप्तपु हथियार, विस्फोटक और भारी-भरकम ट्रक किए एकत्र



तेहरान। प्रतिबंधों और अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी को चकमा देकर ईरान ने एक ऐसा दांव खेला है, जिसने पश्चिमी देशों की नींद उड़ गई है। जानकारी के मुताबिक ईरान ने जनवरी 2025 से एक सीक्रेट मिलिट्री नेटवर्क खड़ा कर लिया है। इस गुप्त नेटवर्क के जरिए तेहरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सारी प्लानिंग पर पानी फेर दिया है। ईरान ने पश्चिमी पाबंदियों के बीच चुपचाप करीब 16,000 करोड़ रुपए के हथियार, खतरनाक विस्फोटक और भारी-भरकम ट्रक इकट्ठा कर लिए हैं यानी अगर नवंबर के बाद जंग आगे बढ़ी तो ईरान कमजोर नहीं बल्कि और पावरफुल बनकर सामने आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक एक तरफ जहां देश के अंदर महंगाई चरम पर है और आम जनता खाने के लाले पड़ने से परेशान है, वहीं ईरान का ये सीक्रेट आपरेशन ये साबित करने के लिए काफी है कि तेहरान अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। ईरान पर अमेरिकी और पश्चिमी देशों ने दशकों से कड़े आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध थोप रखे हैं।

दक्षिण कोरिया के केएफ-21 ने रचा इतिहास, पहली बार अमेरिकी एफ-35 और एफ-16 के साथ मरी उड़ान

सियोल

दक्षिण कोरिया के स्वदेशी लड़ाकू विमान केएफ-21 बोरामाण ने अमेरिकी वायु सेना के लड़ाकू विमानों के साथ पहली बार फॉर्मेशन फ्लाइट (एक साथ उड़ान) पूरी की है। यह उड़ान पीला सागर के ऊपर भरी गई। दक्षिण कोरियाई सैन्य अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। इसे दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग और परिचालन तालमेल बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सैन्य अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण कोरियाई वायु सेना के 16वें फाइटर विंग के 156वें फाइटर स्क्वाड्रन में शामिल केएफ-21 बोरामाण ने पिछले अमेरिकी वायु सेना के विमानों के साथ संयुक्त उड़ान भरी थी। इस फॉर्मेशन फ्लाइट में अमेरिकी वायु सेना ने यू-2एस

ड्रैगन लेडी टोही विमान के साथ एफ-35 और एफ-16 लड़ाकू विमानों को शामिल किया। वहीं, दक्षिण कोरिया की ओर से केएफ-21 बोरामाण के अलावा एफ-35, एफ-15के और एएफ-50 लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया।

यह पहला मौका है, जब दक्षिण कोरिया के स्वदेशी एफ-21 फाइटर जेट ने अमेरिकी वायु सेना के विमानों के साथ एक ही फॉर्मेशन में उड़ान भरी है। यह विशेष उड़ान सोमवार से शुरू होने वाले दोनों देशों के संयुक्त हवाई अभ्यास फ्रीडम फ्लेग से ठीक पहले आयोजित की गई। इस अभ्यास का आयोजन साल में दो बार किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य दक्षिण कोरिया और अमेरिका की वायु सेनाओं के बीच



आपसी तालमेल, संयुक्त अभियान क्षमता और युद्ध की तैयारियों को बेहतर बनाना है।

दक्षिण कोरियाई वायु सेना के एक अधिकारी ने बताया कि इस उड़ान का उद्देश्य फ्रीडम फ्लेग अभ्यास से पहले

केएफ-21 को अमेरिकी विमानों के साथ संयुक्त परिचालन का अनुभव प्रदान करना था।

अमेरिकी सातवां वायु सेना ने यूएस फोर्सेस कोरिया की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि इस मित्रता उड़ान ने

उत्तर कोरिया ने सुसाइड ड्रोन, क्रूज मिसाइलों और 600 मिमी राकेट लान्चर का प्रदर्शन, दिखाई सैन्य ताकत

सियोल

उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए सुसाइड अटैक ड्रोन, क्रूज मिसाइलों और 600 मिलीमीटर के विशाल मल्टीपल राकेट लान्चर का प्रदर्शन किया है। इस सैन्य प्रदर्शनी में उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन भी मौजूद रहे। यह प्रदर्शनी मानवरहित हवाई तकनीक से जुड़े कार्यक्रम के दौरान आयोजित की गई। इसमें कई तरह के रणनीतिक और सामरिक ड्रोन, सुसाइड अटैक ड्रोन और आधुनिक हथियार प्रणालियां प्रदर्शित की गईं।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि प्रदर्शनी में सामरिक सुसाइड अटैक ड्रोन, क्रूज मिसाइलों और 600 मिमी के मल्टीपल राकेट लान्चर को भी दिखाया गया। इस राकेट लान्चर को स्नाइपर नाम दिया गया है। इसका पहली बार सार्वजनिक रूप से फायरिंग अभ्यास के दौरान प्रदर्शन किया गया।

रिपोर्ट में उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया ने दावा किया कि सुसाइड अटैक ड्रोन और मल्टीपर्स ड्रोन से दागे गए हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियारों तथा क्रूज मिसाइलों ने एक द्वीप पर निर्धारित लक्ष्यों को 100 प्रतिशत सटीकता से निशाना बनाया। प्रदर्शनी के दौरान किम जोंग-उन ने आधुनिक युद्ध में मानवरहित हवाई तकनीक की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने देश की ड्रोन क्षमताओं को तेजी से विकसित करने और रक्षा क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

किम ने वैज्ञानिक समुदाय से मानवरहित हवाई तकनीक और रक्षा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल को लेकर बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की अपील की। उन्होंने प्रदर्शनी पर संतोष जताते हुए देश की सैन्य क्षमताओं और रक्षा उद्योग को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

हथियारों की प्रदर्शनी ऐसे समय में हुई, जब दक्षिण कोरिया के जाईंट चीफ्स आफ स्टाफ (जेसीएस) ने उत्तर कोरिया की ओर से पूर्वी सागर की



दिशा में करीब 10 कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया।

दक्षिण कोरियाई सैन्य अधिकारियों के अनुसार, इन प्रक्षेपणों में उत्तर कोरिया के केएन-25 सुपर-लार्ज 600 मिमी मल्टीपल राकेट लान्चर का इस्तेमाल किए जाने की आशंका है। वहीं, उत्तर कोरिया का दावा है कि इस लान्चर में उसके हवासान-31 सामरिक परमाणु वारहेड भी लगाए जा सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को किया गया यह प्रक्षेपण इस साल उत्तर कोरिया का 17वां बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण था। इससे पहले 12 अक्टूबर को भी उत्तर कोरिया ने मिसाइल परीक्षण किया था।

पिछले महीने 16वें फाइटर विंग को सौंपा गया था। दक्षिण कोरिया की योजना 2027 के मध्य से अंत तक और अधिक केएफ-21 विमानों को वायु सेना में शामिल करने की है। दक्षिण कोरियाई वायु सेना की योजना 2030 के शुरुआती वर्षों तक 100 से अधिक केएफ-21 लड़ाकू विमानों को अपने बेड़े में शामिल करने की है। इन विमानों को देश की वायु रक्षा और सैन्य अभियानों में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार किया जा रहा है। अमेरिकी विमानों के साथ केएफ-21 की पहली फॉर्मेशन फ्लाइट को दक्षिण कोरिया के स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे भविष्य में दोनों देशों के बीच संयुक्त हवाई अभियानों और सैन्य सहयोग को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मर जा र दिया।मरी हेहराबाद में डॉ. मरी चेन्न रेड्डी मानव ससाधन विकास सस्थान की स्थापना स्वर्ण जयंती पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वर्ण जयंती के 65 औद्योगिक प्रगतिशील सस्थानों (आईटीआई) को लगभग 4 करोड़ रुपये के निवेश से उन्नत प्रौद्योगिकी के केंद्रों में बदला गया है तथा अगले वर्ष 2014 और केन्द्र शुरू किए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित कई तकनीकों के अनुरूप कौशल विकास करने और जर्मनी-जापान जैसे देशों में रोजगार के अवसरों के लिए भी तैयार रहने की अपील की।

वास्तु

ड्राइंगरूम के लिए चुनें खास पेंटिंग



ड्राइंगरूम घर का महत्वपूर्ण स्थान होता है। हम आमतौर पर सबसे पहले ड्राइंगरूम में ही प्रवेश करते हैं। फेंगशुई में ड्राइंगरूम के रख-रखाव के लिए कुछ नियम बताए गए हैं। आइए ड्राइंगरूम का प्रभाव सकारात्मक बनाने के लिए जानें कुछ टिप्स— ड्राइंगरूम में लड़ाई, पशु-पक्षी, महिलाओं और बच्चों के रोते हुए चित्र न लगाएं।

दीवान हमेशा पश्चिम से दक्षिण की दीवार की ओर रखना चाहिए।

एयरकंडीशनर और रूम हीटर कमरे के आग्नेय कोण में रखनी चाहिए।

अलमारियां, बुक-शैल्फ और मूर्तियां आदि पश्चिम दिशा की ओर रखना चाहिए। ऐसा करने से मन में दुःखभाव नहीं आते।

ड्राइंगरूम के प्रवेश द्वार पर ऊपर की ओर अंदर की तरफ भगवान का चित्र नहीं लगाना चाहिए। द्वार के बाहर गणेश जी का फोटो लगा सकते हैं।

क्यों चढ़ाते हैं सिंदूर ?



रामायण में उल्लिखित एक घटना के अनुसार, एक दिन भूख लगने पर हनुमानजी सीता माता के पास पहुंचे। उन्होंने वहां उनकी मांग में सिंदूर लगा देखा तो पूछा, ‘माता! आपने अपनी मांग में यह कैसा लाल द्रव्य लगा रखा है?’ इस पर सीता माता ने जवाब दिया, ‘पुत्र! सुहागिन स्त्रियां इसे अपने स्वामी की दीर्घायु के लिए जीवनभर लगाती हैं। इससे स्वामी प्रसन्न भी रहते हैं।’ इसके बाद हनुमानजी ने माता जानकी के कथन पर गहराई से विचार किया। उन्होंने सोचा कि क्यों न मैं भी इसे अपने पूरे शरीर पर लगाकर भगवान श्रीराम को अमर कर दूं। यह सोचकर कलेवा करने के बाद हनुमानजी ने अपने पूरे शरीर पर सिंदूर धारण कर लिया। तभी से हनुमानजी को सिंदूर चढ़ाते हैं।

भगवान वेंकटेश्वर का ही नाम है तिरुपति बालाजी

तिरुपति स्थित भगवान श्री वेंकटेश्वर को ही बालाजी कहा जाता है। इनके मुख्यतः तीन दर्शन होते हैं। पहला दर्शन विश्व रूप दर्शन कहलाता है। यह प्रातः काल में होता है। दोपहर में दूसरा दर्शन और रात्रि में तीसरा दर्शन होता है। सामूहिक दर्शनों के अलावा अन्य दर्शन हेतु शुल्क निर्धारित है। बालाजी का मंदिर तीन परकोटों से घिरा है। परकोटों में गोपुर बने हैं। उस पर स्वर्ण कलश स्थापित है। स्वर्णद्वार के सामने तिरुमहामण्डपम् नामक मण्डप है। वहां एक सहस्र स्तम्भ मण्डप भी है। मंदिर के सिंहद्वार नामक प्रथम द्वार को पंडिकावलि कहते हैं। इस द्वार के भीतर वेंकटेश्वर स्वामी के भक्त नरेशों एवं रानियों की मूर्तियां बनी हैं। प्रथम द्वार तथा द्वितीय द्वार के मध्य की प्रदक्षिणा को संपदिंग प्रदक्षिणा कहते हैं। यहां विरज नामक एक कुआ है। बालाजी के चरणों के नीचे विरजा नदी है उसी की धारा इस कूप में आती है। इसकी प्रदक्षिणा में ‘पुष्पकूप’ है। बालाजी को मुख्य रूप से तुलसी पुष्प चढ़ाया जाता है। इस प्रसाद को किसी को नहीं दिया जाता। उसे पुष्प कूप में डाल दिया जाता है। केवल वसन्त पंचमी को तिरुन्वारु में पद्मावती जी को भगवती के चढ़े पुष्प अर्पित किये जाते हैं।

द्वितीय द्वार को पार करने पर जो प्रदक्षिणा है उसे विमान प्रदक्षिणा कहते हैं। इसमें भोज नृसिंह, श्री वरदराज स्वामी, श्री रामानुजाचार्य, सेनापति निलय, गरुड तथा गर्भगृह के चारों तरफ प्रदक्षिणा है। उसे वैकुण्ठ प्रदक्षिणा कहा जाता है। पौष शुक्ल एकादशी को छोड़कर यह मार्ग अन्य समय में बंद रहता है। भगवान के मंदिर के सामने स्वर्ण मण्डित स्तम्भ है। वहां तिरुभट्ट मण्डपम्

सर्वश्रेष्ठ मंत्र माना गया है गायत्री को



गायत्री सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वोत्तम मंत्र है। जो कार्य संसार में किसी अन्य मंत्र से हो सकता है, गायत्री से भी अवश्य हो सकता है। इस साधना में कोई भूल रहने पर भी किसी का अनिष्ट नहीं होता, इससे सरल, श्रम साध्य और शीघ्र फलदायिनी साधना दूसरी नहीं है। समस्त धर्म ग्रंथों में गायत्री की महिमा एक स्वर में कही गयी है। अथर्ववेद में गायत्री को आयु, विद्या, संतान, कीर्ति, धन और ब्रम्हतेज प्रदान करने वाली कहा गया है। विश्वामित्र ऋषि ने कहा है, ‘गायत्री के समान चारों वेदों में कोई मंत्र नहीं है। संपूर्ण वेद, यज्ञ, दान, तप

गायत्री की एक कला के समान भी नहीं हैं।’

गायत्री मंत्र के 24 अक्षरों में अनेक ज्ञान-विज्ञान छिपे हुए हैं। गायत्री साधना द्वारा आत्मा का शुद्ध स्वरूप प्रकट होता है और अनेक ऋद्धि-सिद्धियां परिलाक्षित होने लगती हैं। गायत्री उपासना से तुरंत आत्मबल बढ़ता है। गायत्री साधना एक बहुमूल्य दिव्य संपत्ति है। इस संपत्ति को इकट्ठी करके साधक उसके बदले में सांसारिक सुख एवं आत्मिक आनन्द भली प्रकार प्राप्त कर सकता है। गायत्री के 24 अक्षरों

का गुंथन ऐसा विचित्र एवं रहस्यमय है कि उनके उच्चारण मात्र से जिह्वा, कंठ, तालु एवं मूर्धा में अवस्थित नाड़ी तंतुओं का एक अद्भुत क्रम में संचालन होता है। इस प्रकार गायत्री के जप से अनायास ही एक महत्वपूर्ण योग साधना होने लगती है और उन गुप्त शक्ति केंद्रों के जागरण से आश्चर्यजनक लाभ मिलने लगता है। गायत्री भगवान का नारी रूप है। भगवान की माता के रूप में उपासना करने से दर्पण के प्रतिबिम्ब एवं कुएं की आवाज की तरह वे भी हमारे लिए उसी प्रकार प्रत्युत्तर देते हैं। गायत्री को भूलोक की कामधेनु कहा गया है। गायत्री को सुधा कहा गया है क्योंकि जन्म-मृत्यु के चक्र से छुड़ाकर सच्चा अमृत प्रदान

करने की शक्ति से वह परिपूर्ण है। गायत्री को पारसमणि कहा गया है क्योंकि उसके स्पर्श से लोहे के समान कलुषित अंतःकरणों का शुद्ध स्वर्ण जैसा महत्वपूर्ण परिवर्तन हो जाता है। गायत्री को कल्पवृक्ष कहा गया है क्योंकि इसकी छाया में बैठकर मनुष्य उन सब कामनाओं को पूर्ण कर सकता है जो उसके लिए उचित एवं आवश्यक है। श्रद्धापूर्वक गायत्री माता का आंचल पकड़ने का परिणाम सदा कल्याणपरक होता है। गायत्री को ब्रम्हास्त्र कहा गया है क्योंकि कभी किसी की गायत्री साधना निष्फल नहीं जाती। इसका प्रयोग कभी भी व्यर्थ नहीं होता है। गायत्री साधना के नियम बहुत सरल हैं। स्नान आदि से शुद्ध होकर प्रातःकाल पूर्व की ओर, सायंकाल पश्चिम की ओर मुंह करके, आसन बिछाकर जप के लिए बैठना चाहिए। पास में जल का पात्र तथा धूपबत्ती जलाकर रख लेनी चाहिए। जल और अग्नि को साक्षी रूप में समीप रखकर जप करना उत्तम है। आरम्भ में गायत्री के चित्र का पूजन अभिवादन या ध्यान करना चाहिए, पीछे जप इस प्रकार आरम्भ करना चाहिए कि कंठ से ध्वनि होती रहे, होंठ हिलते रहें, पर पास बैठा हुआ भी दूसरा मनुष्य उसे स्पष्ट रूप से न सुन समझ सके। तर्जनी उंगली से माला का स्पर्श करना चाहिए। एक माला पूरी होने के बाद उसे उलट देना चाहिए। कम से कम 108 मंत्र नित्य जपने चाहिए। जप पूरा होने पर पास में रखे हुए जल को सूर्य के सामने अर्घ्य चढ़ा देना चाहिए। रविवार गायत्री का दिन है, उस दिन उपवास या हवन हो सके तो उत्तम है।

कामनाओं को पूरा करने में समर्थ हैं कुबेर

महाराज वैश्रवण कुबेर की उपासना से संबंधित मंत्र, यंत्र, ध्यान एवं उपासना आदि की सारी प्रक्रियाएं श्रीविद्यार्णव, मन्त्रमहार्णव, मन्त्रमहोदधि, श्रीतत्त्वनिधि तथा विष्णुधर्मोत्तरादि पुराणों में निर्दिष्ट हैं। तदनुसार इनके अष्टाक्षर, षोडशाक्षर तथा पंचत्रिंशदक्षरात्मक छोटे-बड़े अनेक मंत्र प्राप्त होते हैं। मंत्रों के अलग-अलग ध्यान भी निर्दिष्ट हैं। इनके एक मुख्य ध्यान-श्लोक में इन्हें मनुष्यों के द्वारा पालकों पर अथवा श्रेष्ठ पुण्यक विमान पर विराजित दिखाया गया है। इनका वर्ण गारुडमणि या गरुणरत्न के समान दीसिमान पीतवर्णयुक्त बताया गया है और समस्त निधियां इनके साथ मूर्तिमान होकर इनके पार्श्वभाग में निर्दिष्ट हैं। ये किरीट-मुकुटादि आभूषणों से विभूषित हैं।

इनके एक हाथ में श्रेष्ठ गदा तथा दूसरे हाथ में धन प्रदान करने की वरमुद्रा सुशोभित है। ये उन्नत उदरयुक्त स्थूल शरीर वाले हैं। ऐसे भगवान शिव के परम सुहृद भगवान कुबेर का ध्यान करना चाहिए-

कुबेर का ध्यान यह मंत्र पढ़कर लगाएं-

मनुजवाह्मिमानवरस्थितं गरुडरत्ननिभं निधिनायकम्।

शिवसखं मुकुटादिविभूषितं वरगदे दधत् भज तुन्दिलम्।।

मंत्र महार्णव तथा मंत्र महोदधि आदि में निर्दिष्ट महाराज कुबेर के कुछ मंत्र इस प्रकार हैं-

- अष्टाक्षरमंत्र- ओम वैश्रवणाय स्वाहा।
- षोडशाक्षरमंत्र- ओम श्री ओम ह्रीं श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वितेश्वराय नमः।
- पंचत्रिंशदक्षरमंत्र- ओम यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा।

इसी प्रकार वहां बालरक्षारक मंत्र-यंत्र भी निर्दिष्ट हैं, जिसमें ‘अया ते अग्ने समिधा’ आदि का प्रयोग होता है। यह मंत्र बालकों के दीर्घायुध्य, आरोग्य, नैरुज्यादि के लिए बहुत उपयोगी है। इस प्रकार बालकों के आरोग्य लाभ के लिए भी भगवान कुबेर की उपासना विशेष फलवती होती है। प्रायरू सभी यज्ञ-यागादि, पूजा-उत्सवों तथा दस दिक्पालों के पूजन में उत्तर दिशा के अधिपति के रूप में कुबेर की विधिपूर्वक पूजा होती है। यज्ञ-यागादि तथा विशेष पूजा आदि के अंत में षोडशोपचार पूजन के अनन्तर आर्तिक्य और पुष्पांजलि

का विधान होता है। पुष्पांजलि में तथा राजा के अभिषेक के अंत में ‘ओम राजाधिराजाय प्रसह्य साहिने’ इस मंत्र का विशेष पाठ होता है, जो महाराज कुबेर की ही प्रार्थना का मंत्र है। महाराज कुबेर राजाओं के भी अधिपति हैं, धनों के स्वामी हैं, अतः सभी कामना फल की वृष्टि करने में वैश्रवण कुबेर ही समर्थ हैं।

व्रतकल्पद्रुम आदि व्रत ग्रंथों में कुबेर के उपासक के लिए फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी से वर्ष भर प्रतिमास शुक्ल त्रयोदशी को कुबेर व्रत करने के अनेक विधान निर्दिष्ट हैं।

इससे उपासक धनाढ्य तथा सुख-समृद्धि से संपन्न हो जाता है और परिवार में आरोग्य प्राप्त होता है। सारांश में कहा जा सकता है कि कुबेर की उपासना ध्यान से मनुष्य का दुःख दारिद्र्य दूर होता है और अनन्त ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। शिव के अभिन्न मित्र होने से कुबेर के भक्त की सभी आपत्तियों से रक्षा होती है और उनकी कृपा से साधक में आध्यात्मिक ज्ञान-वैराग्य आदि के साथ उदारता, सौम्यता, शांति तथा तृप्ति आदि सात्विक गुण भी स्वाभाविक रूप से संनिविष्ट हो जाते हैं।



क्यों करते हैं हवन

भगवान की आराधना की कई विधियां हैं। सभी अपनी श्रद्धानुसार भगवान को प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इन्हीं विधियों में से एक है हवन। हवन अर्थात देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना। इसे अग्निहोत्र भी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि हवन से देवता प्रसन्न होते हैं। हवन के अंतर्गत कुंड में प्रज्वलित अग्नि में आहुति दी जाती है। यह आहुति तुरंत ही देवताओं को

प्राप्त हो जाती है। अतः हवन का विशेष महत्व माना गया है। हवन क्यों किया जाए? यह जिज्ञासा सहज ही उठती है।

वास्तव में देवता सूक्ष्म शरीरवाले होते हैं अर्थात वे दिखाई नहीं देते। अग्नि में हवन किए गए द्रव्य की गंध उनको प्राप्त होती है। इसीलिए स्वाहा बोलते हुए यज्ञ की पवित्र अग्नि में देवताओं को आहुतियां दी जाती हैं।

रवि पुष्य और सर्वार्थ सिद्धि योग में मनेगी अहोई अष्टमी

संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए माताएं रखेंगी निर्जला व्रत, शाम को तारों को देंगी अर्घ्य

दीपावली की तैयारियां घरों से लेकर बाजारों तक शुरू हो चुकी हैं। इसी बीच भारतीय पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला अहोई अष्टमी व्रत रविवार, 1 नवंबर को रखा जाएगा। यह व्रत संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना के लिए किया जाता है। इस दिन माताएं अपनी संतानों के कल्याण के लिए निर्जला उपवास रखती हैं और शाम को अहोई माता की पूजा-अर्चना कर तारों को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करती हैं।

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष अहोई अष्टमी का व्रत 1 नवंबर 2026 को मनाया जाएगा। कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 1 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 51 मिनट पर प्रारंभ होगी तथा 2 नवंबर को दोपहर 1 बजकर 10 मिनट पर समाप्त होगी। कुछ महिलाएं चंद्र दर्शन के बाद और कुछ तारों के दर्शन करने के बाद व्रत खोलती हैं। अष्टमी तिथि के दौरान चंद्रमा और तारों के दर्शन 1 नवंबर को होने के कारण व्रत रविवार को ही रखा जाएगा।

अहोई अष्टमी का शुभ मुहूर्त

डॉ. अनीष व्यास के अनुसार अहोई अष्टमी की पूजा का सर्वोत्तम समय शाम 4 बजकर 59 मिनट से 6 बजकर 15 मिनट तक रहेगा। तारों के दर्शन कर व्रत के पारण का समय शाम 6 बजकर 22 मिनट से शुरू होगा। वहीं, चंद्रोदय रात 11 बजकर 5 मिनट पर होगा। कुछ स्थानों पर चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोलने की परंपरा भी है।

संतान की लंबी आयु और खुशहाली की कामना
अहोई अष्टमी व्रत का धार्मिक महत्व बहुत विशेष माना गया है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से संतान खुशहाल एवं दीर्घायु होती है तथा उसे विभिन्न प्रकार के रोगों और परेशानियों से रक्षा का आशीर्वाद मिलता है। अहोई माता बच्चों का भाग्य संवारती हैं और उन्हें बुरी नजर से बचाती हैं। इस व्रत के प्रभाव



से घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है तथा संतान अपने करियर में उन्नति करती है।

यह व्रत सूर्योदय से सूर्यास्त तक रखा जाता है। माताएं बिना अन्न-जल ग्रहण किए उपवास करती हैं और तारों को जल अर्पित करने के बाद व्रत खोलती हैं। शाम के समय पूजा-अर्चना के बाद तारों को अर्घ्य देकर अपनी संतानों की सुरक्षा, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने से बच्चों का जीवन सुखमय, स्वस्थ और दीर्घायु होता है तथा परिवार में खुशहाली बनी रहती है।

दीपावली से आठ दिन पहले आता है पर्व
भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास

भगवान सबको देखता है

एक बार एक भला आदमी बेकारी से दुखी था। उसकी यह दशा देखकर एक चोर को सहानुभूति उपजी। उसने कहा- ‘मेरे साथ चला करो, चोरी में बहुत धन मिला करेगा।’ वह बेकार आदमी तैयार हो गया पर उसे चोरी आती न थी। उसने साथी से कहा- ‘मुझे चोरी आती तो है नहीं करूंगा कैसे?’ चोर ने कहा ‘इसकी चिंता न करो मैं सब सिखा लूंगा।’ दोनों एक किसान का पका हुआ खेत काटने गए। वह खेत गांव से कुछ दूर जंगल में था। वैसे तो रात में उधर कोई रखवाली नहीं थी। तो भी चोर ने उस नए साथी को खेत की मेंड़ पर खड़ा कर दिया कि वह निगरानी करता रहे कि कोई देखता तो नहीं है। वह खुद खेत काटने लगा।

नए चोर ने थोड़ी ही देर में आवाज लगाई ‘भाई जल्दी उठो, यहां से भाग चलो, खेत का मालिक पास ही खड़ा देख रहा है, मैं तो भागता हूं।’ चोर काटना छोड़कर उट खड़ा हुआ और भागने लगा। कुछ दूर जाकर दोनों खड़े हुए तो चोर ने साथी से पूछा- ‘मालिक कहाँ था? कैसे देख रहा था?’ उसने कहा ‘ईश्वर सबका मालिक है। इस संसार में जो कुछ है, उसी का है। वह हर जगह मौजूद है और सब कुछ देखता है।’ मेरी आत्मा ने कहा कि ईश्वर यहां भी मौजूद है और हमारी चोरी को देख रहा है। ऐसी दशा में हमारा भागना ही उचित था। पहले चोर पर इसका कुछ ऐसा प्रभाव पड़ा कि उसने हमेशा के लिए चोरी छोड़ दी।



रोजाना पूजा से मिलते हैं ये फायदे

ईश्वर से जुड़ने के लिए सबसे सरल माध्यम है पूजा। कर्मकाण्ड में जब भावना का अपना महत्व बढ़ाने लगे तो वह पूजा का सही स्वरूप है। पूजा से चार बातें मिलती हैं- अनुशासन, परिश्रम, धैर्य और दूरदर्शिता। इसीलिए सभी धर्मों ने पूजा की एक विशेष विधि है। कब, क्या, कितनी पूजा करनी है, इसमें एक अनुशासन छिपा है। सबसे पहले सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है जो धार्मिक कर्मकाण्ड ही नहीं असल में प्रकृति के तेज को प्रतिदिन अपने भीतर आमंत्रित करने की क्रिया है। तुलसी को प्रतिदिन जल चढ़ाया जाए। क्योंकि तुलसी में शांति के तत्व बसे हैं। गाय को गोप्रास देने का अर्थ है एक निश्छल आत्मा को अपने भीतर उतारना। पंचदेव माने गए हैं- गणेशजी, सूर्य, दुर्गाजी, विष्णुजी, शंकरजी।

ने बताया कि अहोई अष्टमी दीपावली से आठ दिन पहले और करवाचौथ के चार दिन बाद आती है। इस दिन माताएं निर्जल व्रत का संकल्प लेती हैं।

शाम के समय महिलाएं अहोई देवी की पूजा-अर्चना करती हैं। कई स्थानों पर तारों के दर्शन कर उन्हें अर्घ्य देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि निःसंतान महिलाएं भी यह व्रत करती हैं। माना जाता है कि माता अहोई के आशीर्वाद से उन्हें संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है।

कौन हैं अहोई माता

अहोई माता को मां पार्वती का स्वरूप माना जाता है। उनकी पूजा विशेष रूप से संतान की रक्षा और उसकी लंबी आयु की कामना के लिए की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, अहोई माता की पूजा से महिलाओं की कुंडली में संतान से संबंधित अशुभ योगों का प्रभाव कम होता है।

मान्यता है कि उनकी कृपा से बांझपन, गर्भपात, संतान की असमय मृत्यु और संतान से जुड़ी अन्य परेशानियों से मुक्ति मिलती है।पौराणिक कथा के अनुसार, अहोई माता का स्वरूप साही (सेही) के रूप में दर्शाया जाता है।

कहा जाता है कि प्राचीन समय में एक महिला अपने पुत्रों के साथ जंगल में मिट्टी खोदने गई थी। वहां अनजाने में उससे साही के बच्चों को नुकसान पहुंच गया। इसके बाद महिला ने देवी से क्षमा याचना की। उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने उसे संतान की सुरक्षा का आशीर्वाद दिया। तभी से माताएं अहोई माता की पूजा कर अपनी संतानों की दीर्घायु, सुरक्षा एवं कल्याण की कामना करती हैं।



डॉ. अनीष व्यास

भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर

अब दौर पहले के जैसा नहीं रहा। पहले देश में ये धारणा थी कि यहाँ मिलने वाला सोना उतना खरा नहीं जितना विदेशी सोना होता है। लेकिन सरकार के नियम अब कईसे से लागू किए जा रहे हैं जिससे बाजार में सिर्फ हॉलमार्क के ही सोने के आभूषण बिक रहे हैं। इसलिए अब इस बात से चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है कि देश में मिलने वाला सोना खरा है या नहीं।



मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 04 नवंबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला की लिए जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को शाम्भू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को शामिल किया है। नबी को तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कण्ठा की जगह पर शामिल किया गया है।

कण्ठा चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। आकिब को पूरी सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है जबकि पहले उन्हें कलेक्टर तीसर और चौथे मैच के लिए जगह मिली थी। मोरतनवेल है कि नबी ने पिछले महीने ही वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। हालांकि उनका प्रदर्शन पहले मैच में अच्छा नहीं रहा था इसके बाद भी टीमें प्रबंधन और चयनकर्ताओं ने उनमें विश्वास बनाए रखा है क्योंकि इससे बाद इन्हें घरेलु सीरीज में उन्होंने अपने प्रदर्शन से इसकी पुर्वाति किया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार कसान शुभमन गिल और नीतीश कुमार रेडी अंतिम दो एकदिवसीय मैचों में भाग नहीं लेंगे। जिससे कि आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारीयों पर ध्यान दे सकें। इससे शुभमन और नीतीश 13 और 15 नवंबर के एकदिवसीय मैच से बाहर रहेंगे। नबी का हाल में प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद, उन्होंने एन्जली ट्राफी में जम्मू-कश्मीर के लिए खेलते हुए महान प्रदेश के खिलाफ 4 विकेट लिए और 332 रनों भी बनाए। इसके बाद इंडिया ए के लिए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ एक अनौपचारिक टेस्ट में उन्होंने दोनों पारियों में कुल 6 विकेट लेने के साथ ही बल्लेबाजी में 43 रनों भी बनाए। नबी का लिस्ट-ए रिकार्ड भी अच्छा रहा है, उन्होंने अब तक 37 मैचों में 56 विकेट लिए हैं और एक शतक के साथ बल्लेबाजी में भी योगदान दिया है। पहले तीन एकदिवसीय के लिए भारतीय दल शुभमन गिल (कसान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपोमान), केएल राहुल, अक्षर पटेल, नमन भारी, अंशुल कंबोज, गुरुरंग बाराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेडी और आकिब नबी को शामिल करता है। वहीं, आखिरी दो एकदिवसीय के लिए स्ववाद में श्रेयस अय्यर को कप्तानी दी गयी है। अंतिम दो एकदिवसीय के लिए टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वाघ, ईशान किशन, अक्षर पटेल, नमन भारी, आकिब नबी, गुरुरंग बाराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुलदीप, मोहम्मद सिराज, यशा ठाकरू और कुलदीप यादव शामिल हैं।

एकदिवसीय में गेंदबाज जिताने हैं बड़े दुर्नामके : नायर - नायर ने कहा कि टी20 क्रिकेट में आक्रमक खेल के कारण बल्लेबाजी में गहराई जरूरी है, लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट में टीम के पास परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने का समय होता है। उनके अनुसार, यदि टीम विकेट नहीं ले पाती तो लंबी बल्लेबाजी क्रम भी चैंपियनशिप जिताने में शायद ही मददगार साबित हो।

भारत के कुल 128 खिलाड़ियों में 101 में से 90 फाइनल स्पर्धाओं में हिस्सा लेते हुए 154 स्पर्धा हासिल किए। इनमें 17 खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे जबकि पांचवें में भारत पुरुष 110 किलोग्राम वर्ग और महिला पंचम वर्ग में ग्रींड स्टाफ महिला 80 किलोग्राम वर्ग में दोनों हाथों की स्पर्धाओं में चौथे स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने सब-जूनियर से लेकर ग्रींड स्टाफ तक पांच आयु वर्गों में पदक जीते। यह प्रदर्शन देश में आमरसमिति खेल के बढ़ते आधार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों की मजबूत होती मौजूदगी को दर्शाता है। चौपिनसमिति के तीसरे दिन सब-जूनियर, जूनियर और युवा वर्ग के बालक, बालिका, पुरुष और महिला खिलाड़ियों की दाल हाथ की स्पर्धाओं के फाइनल खेले जाएंगे। इन मुकामों का सीधा प्रसारण प्रतियोगिता के आधिकारिक प्रसारण साझेदार स्वेड पर किया जाएगा।

माहसूरसमय आ विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के अवसर उपलब्ध कराने और खेल के क्षेत्र में माहौल को विकसित करने के लिए प्रयत्न विभिन्न है। उन्होंने आयोजन में संयोगों आ प्रतियोगिता के लिए फाउण्डेनड स्कूल का आधार बनाया तथा सभी विजेता खिलाड़ियों, प्रतियोगिता में आ प्रशिक्षकों को बधाई दी। पांच प्रतियोगिता प्रतियोगिता का समापन युवा खिलाड़ियों की प्रतीति, मेहनत और खेल भावना के उत्सव के रूप में हुआ। इस आयोजन ने स्थानीय स्तर पर खेल भावना को बढ़ावा देने और नई खेल प्रतियोगिताओं को आगे लाने के प्रयासों को मजबूती दी।

पर पगबाधा आउट किया। भारत ए का स्कोर देखते ही देखते छह विकेट पर 160 रन हो गया।

अपोलो अस्पताल में 24 घंटे स्ट्रोक कमांड सेंटर शुरू



हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व स्ट्रोक दिवस के अवसर पर अपोलो अस्पताल, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में 24 घंटे संचालित स्ट्रोक कमांड सेंटर शुरू किया गया। इसका उद्देश्य आपातकालीन सेवाओं में तेजी लाना, अस्पतालों एवं एंबुलेंस सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और मरीजों के उपचार में होने वाली देरी को कम करना है।

वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. जी. रंजीत और डॉ. वेमुला श्रीकांत ने बताया कि स्ट्रोक एक समय-संवेदनशील चिकित्सा आपातस्थिति है, जिसमें प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है। नया केंद्र आसपास के अस्पतालों, स्वास्थ्यकर्मियों, एंबुलेंस सेवाओं और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित कर संदिग्ध

मरीजों को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने में मदद करेगा।अस्पताल के मुख्य परिचालन अधिकारी हरकरण ने बताया कि केंद्र के माध्यम से मरीज के अस्पताल पहुंचने से पहले ही चिकित्सा टीम को सूचना मिल सकेगी, जिससे उपचार की तैयारी समय रहते की जा सकेगी। इससे पात्र मरीजों में इंस्ट्रावीनस थ्रोम्बोलाइसिस उपचार के लिए अस्पताल पहुंचने से सुई लगाने तक का समय (डोर-टू-नीडल टाइम) कम करने में मदद मिलेगी। अस्पताल ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य स्ट्रोक के लक्षणों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करना और अस्पतालों तथा आपातकालीन सेवाओं के बीच मजबूत नेटवर्क विकसित करना है।

विद्यार्थियों ने दिया सतत विकास का संदेश



हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेमिया अकादमी की ओर से 'ई-4 सर्किट' विद्यार्थी सम्मेलन आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने, नए समाधान प्रस्तुत करने और सतत विकास में अपनी भूमिका समझने का अवसर देना था।

सम्मेलन की थीम 'सतत विकास, संप्रभुता और सामूहिक सहयोग' रही। इसमें विभिन्न

कक्षाओं के विद्यार्थियों ने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों पर शोध कर अपने विचार और समाधान प्रस्तुत किए। सम्मेलन चार स्तंभोंएक्सप्लोर, एक्सप्रेस, एंडोअर और एलिबेटपर आधारित रहा, जिनके माध्यम से जिज्ञासा, अभिव्यक्ति, धैर्य, आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व और उत्कृष्टता को प्रोत्साहित किया गया।

अकादमी की संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक सिंदूरी रेड्डी ने कहा कि वास्तविक शिक्षा केवल

पुस्तकों और कक्षाओं तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों को वैश्विक समस्याओं को समझने, सवाल पूछने और अपने विचारों से सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना जरूरी है। प्राचायां तृप्ति राव ने कहा कि शोध, चर्चा और सामूहिक प्रयासों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संवेदनशीलता और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है।

सम्मेलन में विद्यार्थियों ने अपने शोध, रचनात्मक विचारों और व्यावहारिक समाधानों के माध्यम से शैक्षणिक ज्ञान को वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जोड़ने का प्रयास किया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में संवाद, टीमवर्क, स्वतंत्र चिंतन और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने की भावना विकसित करना रहा।

संविधान की प्रस्तावना पुनः स्थापित



पेढापल्ली, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेढापल्ली के नए बस डिपो परिसर से संविधान की प्रस्तावना के अचानक गायब होने से हलचल मच गई।

इस संबंध में स्वतंत्रता सेनानी वंशज संगठन के राज्य सचिव बालासानी वेंकटेशम ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। एसआई राजशेखर ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

जांच में पता चला कि कुछ लोगों ने प्रस्तावना को निकालकर परिसर में ही मिट्टी में दबा दिया था। बाद में उसे खोदकर निकाला गया और शनिवार को सुरक्षित रूप से उसके मूल स्थान पर पुनः स्थापित कर दिया गया। इसके साथ ही मामले को लेकर बना विवाद समाप्त हो गया।

बीआरएस नेता पहले अपने आरोपों का जवाब दें : राकेश रेनवा



मंचेरियाल, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में जिला प्रवक्ता राकेश रेनवा ने बीआरएस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने से पहले बीआरएस नेता अपने परिवार और पूर्व कार्यकाल से जुड़े आरोपों का जवाब दें।

उन्होंने पूर्व विधायक के पुत्र विजित राव द्वारा मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर फिनाइल और एलईडी लाइटों की खरीद में घोटाले के आरोपों को निराधार बताया। रेनवा ने पूर्व विधायक दिवाकर राव के कार्यकाल में मंचेरियल नगरपालिका की विभिन्न खरीद में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एलम्पल्ली परियोजना से प्रभावित लोगों के लिए किए गए कार्यों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिना ठोस सबूत आरोप लगाने के बजाय बीआरएस नेताओं को अपने कार्यकाल का हिसाब देना चाहिए।

प्रेसवार्ता में पार्षद कस्तूरी नागराज और भाजपा नेता बोटला सत्यम उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेसी...

उन्होंने कहा कि सात महीने पहले विपक्ष के 193 सांसदों ने दोनों सदनों में उन्हें पद से हटाने के लिए प्रस्ताव दिया था, लेकिन नोटिस खारिज कर दिए गए। खरो ने कहा कि यह किसी व्यक्ति के खिलाफ लड़ाई नहीं, बल्कि निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और संवैधानिक गरिमा का सवाल है। उन्होंने आशंका जताई कि कंप्यूटर के जरिए कमजोर वार्ों, महिलाओं और युवाओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। वहीं, मीरा कुमार ने बताया कि इंडिया गठबंधन ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए राज्यसभा में पद से हटाने का प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को कैसे हटाया जा सकता है?

निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए संविधान में मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यकाल को लेकर कड़े सुरक्षा प्रावधान किए गए हैं। संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत चुनाव आयुक्तों और क्षेत्रीय चुनाव आयुक्तों की सेवा शर्तें एवं कार्यकाल संसद द्वारा बनाए गए कानून के अधीन राष्ट्रपति तय करते हैं। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विशेष प्रावधान है। मुख्य चुनाव आयुक्त को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह और उन्हीं आधारों पर पद से हटाया जा सकता है। नियुक्ति के बाद उनकी सेवा शर्तों में उनके नुकसान के लिए बदलाव नहीं किया जा सकता। वहीं, किसी अन्य चुनाव आयुक्त या क्षेत्रीय चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश के बिना पद से नहीं हटाया जा सकता। इसके बाद संसद ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त नियुक्ति, सेवा शर्त एवं कार्यकाल अधिनियम, 2023 बनाया। इस कानून में भी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संविधान में निर्धारित प्रक्रिया को बरकरार रखा गया है।

लोकतंत्र का...

करने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि विपक्ष या वह कार्यक्रम लोकतंत्र का मजाक बनाने जैसा है।

वोट चोरी और एसआईआर पर जवाब

संबित पात्रा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुरीक्षण (एसआईआर) और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस के आरोपों को झूठ बताया। उन्होंने कहा कि किसी का वोट चोरी नहीं हुआ है और इस मामले में किसी को भ्रमित होने की जरूरत नहीं है।

पात्रा के मुताबिक, एसआईआर की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। जो मतदाता फिलहाल अनुपस्थित हैं, उनके नाम जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पहले के पते से दूसरी जगह जा चुके करीब छह करोड़ मतदाताओं को भी जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। ऐसे लोगों को फॉर्म-6 भरना होगा। उन्होंने कहा कि फॉर्म-6 में केवल एक घोषणा जोड़ी गई है। पात्रा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरोगे पर इस मुद्दे पर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया।

घुसपैठियों और फॉर्म-6 पर आरोप

संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि केवल घुसपैठिए ही जानबूझकर फॉर्म-6 नहीं भर रहे हैं और न ही नोटिस का जवाब दे रहे हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में बड़ी संख्या में लोगों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय नागरिक बनाया गया। पात्रा ने लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता मीरा कुमार की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मीरा कुमार को इस बात पर आत्ममंथन करना चाहिए कि विपक्ष के उनके कार्यकाल में अध्यक्ष की भूमिका निभाना उनके लिए उचित था या नहीं। विपक्ष ने खरोगे के आवास पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया था।

मासूम ज़िंदगी...

बच्चों के माता-पिता ने उसका वीडियो जारी कर देशभर के लोगों का आभार जताया है। उन्होंने इस कठिन समय में साथ देने, दुआएं करने और हौसला बढ़ाने वाले सभी लोगों को धन्यवाद कहा है। माता-पिता

के लिए बच्चों को दोबारा मां की गोद में सुकून से देखना और उसके मुंह में पहला निवाला जाते देखना बेहद भावुक पल रहा।

कहते हैं कि दुआओं में बहुत ताकत होती है। इस मासूम की जिंदगी की जंग ने एक बार फिर उम्मीद और हौसले की अहमियत दिखाई है। मां की गोद में लौटी नन्ही परी के लिए अब हर कोई यही दुआ कर रहा है कि वह जल्द पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जिंदगी में लौट आए।

क्या है पूरा मामला?

पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित संस्कृति मॉडल स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने केजी में पढ़ने वाली बच्ची पर कथित तौर पर हमला कर दिया था। आरोप है कि छात्र ने बच्ची को पत्थरों और गमले से बुरी तरह पीटा। हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे पहले अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन हालत नाजुक होने के चलते पीजीआई चंडीगढ़ रेफर करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, स्कूल परिसर में हुई इस घटना के दौरान आरोपी छात्र ने पहले बच्ची पर पत्थरों से हमला किया। इसके बाद उसने गमला उठाकर बच्ची को चोट पहुंचाई। आरोप है कि बच्ची के बेहोश हो जाने के बाद भी छात्र नहीं रुका। वह उसे काफी देर तक घसीटता रहा और पत्थरों से हमला करता रहा। घटना की भयावहता के बाद स्कूल परिसर में हड़कंप मच गया।

स्कूल में...

पुलिस ने उसे फरार होने की कोशिश के दौरान धर्मावरम रेलवे स्टेशन पर पकड़ लिया। हेमंत अनंतपुर के टमाटर बाजार में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करता है और पीड़ित छात्रा का दूर का रिश्तेदार बताया जा रहा है। प्राथमिक रिपोर्टों में हमले के पीछे कथित रूप से छात्रा को परेशान करने और उसके प्रस्ताव ठुकराए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, हमले का वास्तविक कारण अभी आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं हुआ है।

कक्षा में घुसकर किया हमला

बताया गया कि आरोपी सुबह करीब 10:30 बजे चेन्नसॉ जैसे उपकरण के साथ स्कूल में दाखिल हुआ। उस समय कक्षा में गणित की पढ़ाई चल रही थी। आरोपी सीधे छात्रा के पास पहुंचा और उस पर हमला कर दिया। अचानक हुई इस वारदात से विद्यार्थी और शिक्षक स्तब्ध रह गए। सतर्क छात्रों और शिक्षकों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल छात्रा को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।छात्रा को बेहतर इलाज के लिए विशेष एंबुलेंस से बंगलुरु स्थानांतरित किया गया है। हमले में उसके चेहरे, सिर और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस घटना की परिस्थितियों और आरोपी के हमले के पीछे के मकसद की जांच कर रही है।

कक्षा अध्यापिका राजराजेश्वरी ने बताया, मैं विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान कर रही थी। तभी हमलावर अचानक कक्षा में घुस आया और गोपिका के पास पहुंचकर उस पर हमला कर दिया। पूरी घटना केवल दो से तीन मिनट में हुई। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, वह कक्षा में चेन्नसॉ छोड़कर स्कूल से भाग गया।

मुख्यमंत्री ने ली छात्रा की सुध

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की और उपचारार्थन घायल छात्रा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से छात्रा को उपलब्ध कराए जा रहे चिकित्सा उपचार का ब्योरा मांगा तथा पुलिस को आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन भी दिया।

नारा लोकेश बोलेभांसू नहीं रोक पाया

मंत्री नारा लोकेश ने छात्रा पर हुए इस क्रूर हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कक्षा के अंदर खून से लथपथ पड़ी मासूम छात्रा को देखकर वह अपने आंसू नहीं रोक पाए। उन्होंने चेतावनी दी कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा किसी भी सूरत में बढ़ाश्त

नहीं की जाएगी। उनकी सुरक्षा को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सरकार सख्ती से कार्रवाई करेगी।उन्होंने कहा, ऐसे सनकी लोगों को लोहे के हाथों से कुचला जाएगा। लड़कियों और महिलाओं की ओर आंख उठाने की हिम्मत करने वालों के मन में डर पैदा किया जाएगा। बच्चों की सुरक्षा को खतरे में डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

परिताला सुनीता ने अस्पताल पहुंचकर ली जानकारी

अनंतपुर सरकारी सामान्य अस्पताल के आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर में घायल छात्रा का ऑपरेशन शुरू किया गया। रामाडु की विधायक परिताला सुनीता अस्पताल पहुंचीं और डॉक्टरों से मुलाकात कर छात्रा की स्थिति तथा उसे दिए जा रहे उपचार की जानकारी ली। पीड़िता के परिजनों ने भी फोन पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने उनसे बात हरसंभव आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

महिला आयोग ने लिया संज्ञान

आंध्र प्रदेश महिला आयोग ने इस हमले की गंभीरता से संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. रायापति सैलजा ने घटना पर चिंता जताते हुए दोनों घायल छात्राओं के स्वास्थ्य की जानकारी ली।उन्होंने दसवीं कक्षा की उस छात्रा को दिए जा रहे चिकित्सा उपचार के बारे में जानकारी मांगी, जिस पर हमला किया गया था। साथ ही, हमले को रोकने के प्रयास में घायल हुई दूसरी छात्रा के स्वास्थ्य और उपचार की भी जानकारी ली। आयोग दोनों छात्राओं की स्थिति और उनके उपचार की प्रगति पर नजर रखे हुए है।

शिक्षिका ने बयान किए खौफनाक पल

घटना की प्रत्यक्षदर्शी कक्षा अध्यापिका ने भावुक होते हुए वारदात के भयावह क्षणों का वर्णन किया। उन्होंने बताया, जब हम बच्चों को गणित पढ़ा रहे थे, तभी एक व्यक्ति हाथ में कोई उपकरण लेकर कक्षा में घुस आया। वह सीधे गंभीर की ओर बढ़ा और उस पर हमला कर दिया। मैं यह देखकर स्तब्ध रह गई और समझ ही नहीं पाई कि क्या हो रहा है। मैं आरोपी का चेहरा तक पहचान नहीं सकी। इस घटना से विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक गहरे सदमे में हैं। स्कूल परिसर के भीतर हुई इस वारदात ने शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सितम...

एजेंसी ने आरोप लगाया था कि आजम खान ने शहरी विकास मंत्री और उत्तर प्रदेश जल निगम में कैबिनेट मंत्री रहते हुए अपने प्रभाव का इस्तेमाल कथित अनियमितताओं के लिए किया था।

रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) ने जुलाई में विश्वविद्यालय परिसर की 38 इमारतों को गिराने का आदेश दिया था। इसके बाद विश्वविद्यालय की ओर से इस आदेश के खिलाफ अपील दायर की गई थी।

अखिलेश यादव ने साधा निशाना

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खान के समर्थन में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर दिया है। उन्होंने आजम खान के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने लिखा, आज के हुकमरानों को याद रहे जब वक्त बदल जाता है तो तख्त बदल जाता है।

उन्होंने कहा कि आजम खान के साथ मुकदमों की जो साजिश की जा रही है, उसे पूरा देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया देख रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि किसी उम्रदराज व्यक्ति को इस तरह के बेमानी मुकदमों में फंसाकर बार-बार जेल में डालना बेहद कारगराना हरकत है।

सपा प्रमुख ने आगे कहा कि आज की सत्ता जिस गलत रवायत को हवा दे रही है, हवा बदलने पर वह खुद उसकी शिकार होगी। उन्होंने कहा कि तब भागते नहीं बनेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि नाइंसाफी जब हद से गुजर जाती है तो जुल्म करने वालों के लिए ही कहर बन जाती है। उन्होंने आखिर में इसे 'बेहद निंदनीय' बताया।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में जेल में आजम

बच्चों को बताए सुरक्षा के अधिकार

पेढापल्ली, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुरक्षित बचपन अभियान के तहत अतिरिक्त जिला न्यायाधीश स्वप्ना रानी की अध्यक्षता में निम्नपल्ले स्थित पल्लवी विद्यालय में बाल अधिकारों एवं यौन उत्पीड़न से बचाव को लेकर कानूनी जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान विद्यार्थियों को बाल अधिकार, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम-2012 (पॉक्सो), अच्छे-बुरे स्पर्श और व्यक्तिगत सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा में माता-पिता, शिक्षक, विद्यालय प्रबंधन और पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण है। किसी भी उत्पीड़न की स्थिति में बच्चे अभिभावकों, शिक्षकों, नजदीकी पुलिस स्टेशन या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सहायता ले सकते हैं। इसके लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और कानूनी सहायता नंबर 15100 की जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीनिजा कोहिरकर, कानूनी सहायता परिषद के सदस्य श्रीनिवास, संकीर्तन, नरेश, सारथ, झांसी, रमा, कल्पना, श्यामला, शोभारानी, स्कूल संवाददाता वाणी, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक उपस्थित थे।



किसानों को खेती से रोकने वाले मुख्यमंत्री

इस्तीफा दें : कविता



मंचेरियाल, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना रक्षा सेना की अध्यक्ष कल्पाकुंटला कविता ने आदिलाबाद जिले के इंद्रवेली में आयोजित 'पांचजन्य संकल्प सभा' में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि एल नीनो के कारण सूखे की आशंका के चलते किसानों को फसलों नहीं बोने की सलाह देना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि किसानों को खेती से रोकने वाले मुख्यमंत्री को पद पर बने रहने का क्या अधिकार है और उनसे इस्तीफे की मांग की।

कविता ने कांग्रेस पर इंद्रवेली के शहीदों के नाम पर किए गए विकास के वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने बीआरएस के पूर्व कार्यकाल में आदिलाबाद की सीमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और निजामाबाद की चीनी मिल को दोबारा शुरू नहीं करने तथा पूर्व मंत्री केटीआर की भूमिका पर भी सवाल उठाए। एक नवंबर को आदिलाबाद में होने वाली बीआरएस की किसान गर्जना सभा को उन्होंने नेताओं की आपसी खींचतान करार दिया। भाजपा विधायकों पायल शंकर और पालवाई हरीश पर मुख्यमंत्री के खिलाफ सवाल नहीं उठाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम समुदायों को शांति से रहना चाहिए। कविता ने घोषणा की कि उनकी पार्टी सत्ता में आने पर युवाओं को दो लाख से 20 करोड़ रुपये तक के ऋण उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर उन्होंने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी कोमुरम भीम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जल, जंगल और जमीन के संघर्ष को याद किया।

आधी रात को सड़कों पर उतरे सीपी

मंचेरियाल, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने शुक्रवार देर रात मंचेरियल के वड्डेरा कॉलोनी और विकास नगर में अचानक दौरा कर गांजा सेवन एवं सप्टलाई के मामलों में पूर्व में शामिल रहे युवकों के घर पहुंचकर उनकी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने युवाओं को काउंसलिंग देकर नशे से दूर रहने की सलाह दी।

सीपी ने कहा कि पहली बार गांजा सेवन में पकड़े गए युवाओं को सुधारने के लिए काउंसलिंग और जरूरत पड़ने पर नशामुक्ति केंद्रों की सहायता दी जाएगी, जबकि गांजा सप्टलाई करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को नशे के स्रोतों पर निगरानी रखने और सप्टलाई रोकने के निर्देश दिए।

इस दौरान मंचेरियल डीसीपी ए. भास्कर, एसीपी आर. प्रकाश, टाउन इंस्पेक्टर प्रमोद, महिला पुलिस स्टेशन इंस्पेक्टर सत्यनारायण, एसआई मधुसूदन, रामकृष्ण सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।



खान से मुलाकात की थी। उन्होंने भाजपा सरकार पर आजम खान के खिलाफ राजनीतिक बदले की कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया था कि आजम खान के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए थे। ईडी ने इस मामले में अगस्त में छापेमारी भी की थी और आजम खान से पूछताछ की थी।

उमर...

सुनवाई के दौरान दोनों ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत आपसी सहमति से तलाक की मंजूरी के लिए संयुक्त आवेदन दिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दोनों की ओर से अदालत को बताया था कि वे अपने मतभेद सुलझाने पर सहमत हो गए हैं।उमर अब्दुल्ला और पायल अब्दुल्ला की शादी वर्ष 1994 में हुई थी। दोनों की मुलाकात दिल्ली के ओबेरॉय होटल में काम करने के दौरान हुई थी। दोनों के दो बेटे जाहिर और जाफिर हैं। दोनों वर्ष 2009 से अलग रह रहे थे। उमर अब्दुल्ला ने वर्ष 2011 में अलग होने की जानकारी दी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने भी पहले कहा था कि दोनों कई वर्षों से अलग रह रहे थे।

बांग्लादेश...

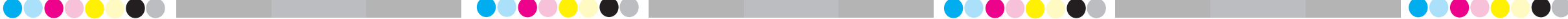
बांग्लादेश के लोग फिर सड़कों पर उतरेंगे। इस बार अपने हक के पानी को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

दरअसल, भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे को लेकर 30 साल का समझौता हुआ था। यह समझौता दिसंबर 2026 में समाप्त हो रहा है। इसके तहत जनवरी से मई के बीच पश्चिम बंगाल के फरक्का बैराज पर गंगा के पानी का बंटवारा होता है।बांग्लादेश में गंगा को पद्मा नदी के नाम से जाना जाता है। वहां बड़ी आबादी की आजीविका इस नदी और इससे जुड़े जल तंत्र पर निर्भर है। इसी वजह से दोनों देशों के बीच इस समझौते को अहम माना जाता है। बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्री भी दिसंबर तक नए समझौते को अंतिम रूप देने की मांग कर चुके हैं।इस रैली में एनसीपी सांसद हसनत अब्दुल्ला भी शामिल हुए। उन्होंने पिछले साल भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्यों को अलग-थलग करने की धमकी दी थी। उन्होंने सिलीगुड़ी कॉरिडोर का भी जिक्र किया था। यह कॉरिडोर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है।

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद भारत विरोधी बयानबाजी बढ़ी थी। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में भी कई नेताओं और छात्र संगठनों के सदस्यों ने भारत के खिलाफ बयान दिए थे। एनसीपी नेताओं ने चुनाव से पहले भी भारत के हस्तक्षेप के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन करने की अपील की थी।

बिजली संकट और महंगाई से नाराजगी

बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से बिजली और गैस की कमी की समस्या बनी हुई है। मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। बांग्लादेश अपनी जरूरत से ज्यादा तेल और करीब 30 प्रतिशत गैस आयात करता है। बिजली कटौती का असर वहां के कपड़ा उद्योग पर भी पड़ा है। इसके साथ ही महंगाई ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2026 में महंगाई करीब 8.5 प्रतिशत रही है। खाने-पीने और दूसरी जरूरी चीजों की कीमतें बढ़ी हैं, जबकि मजदूरों की कमाई उसी रफ्तार से नहीं बढ़ी। विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल के मुकाबले करीब 21 लाख और लोग गरीबी में चले गए हैं। एनसीपी ने गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद और ऊर्जा मंत्री इकबाल हसन महमूद टुकू के इस्तीफे की मांग की है। नाहिद इस्लाम ने कहा कि दोनों मंत्री अपने काम में नाकाम रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मंत्रियों ने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में प्रदर्शन किए जाएंगे। इन प्रदर्शनों के जरिए प्रधानमंत्री तारिक रहमान के आवास का घेराव भी किया जाएगा। एनसीपी सांसद अख्तर हुसैन ने गैस की कीमतों का मुद्दा उठाया। उन्होंने दावा किया कि कोलकाता में एलपीजी सिलेंडर करीब 1,000 टकनों में मिलता है, जबकि बांग्लादेश में इसकी कीमत दोगुने से ज्यादा है।



BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
 Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,
 Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
 APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,
 Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
 APIE, Balanagar,
 Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
महारे भाग्यनगर
 दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 01 नवंबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

तेरापंथ महिला मंडल की प्रतियोगिता में महिलाओं ने साझा किए अपने संघर्ष और सफलता के अनुभव मुनि श्री दीप कुमार जी का मिला पावन सानिध्य, विजेताओं को किया पुरस्कृत

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के दिशा-निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद की ओर से मेरी शक्ति की कहानी विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुनि श्री दीप कुमार जी ठाणा-2 का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्वाध्यक्ष श्रीमती चंद्रा जी ने नमस्कार महामंत्र के मंगलाचरण के साथ करवाया। अध्यक्ष श्रीमती नमिता जी सिंधी ने उपस्थित सभी बहनों का स्वागत किया। मुनि श्री दीप कुमार जी ने अपने उद्बोधन में फरमाया कि आज की महिला अपनी शक्ति को पहचानती है और उसका उपयोग परिवार, समाज एवं राष्ट्रहित में भी कर रही है। आवश्यकता इस बात की है कि वह परिवार में आध्यात्मिकता का बीजारोपण करे तथा धार्मिक संस्कारों को और अधिक पुष्ट बनाए।

इसके पश्चात प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। निर्णायक की भूमिका जीतो लेडीज विंग, हैदराबाद की पूर्व चैयरपर्सन श्रीमती विणा



ओस्तवाल ने निभाई। प्रतियोगिता में बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने जीवन के संघर्ष एवं अनुभवों की कहानियां साझा की। प्रतियोगिता में श्रीमती अनीता सुराणा ने

प्रथम, श्रीमती नीलम सेठिया ने द्वितीय तथा श्रीमती संतोष गुजरानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विजेताओं के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की संयोजिकाओं में श्रीमती सरला मेहता, श्रीमती संतोष गुजरानी, श्रीमती पुष्पा बरडिया और श्रीमती पायल पारख शामिल थीं। तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद के युवती विभाग की ओर से आयोजित प्रतियोगिता या देवी सर्वभूतेषु के विजेताओं को भी इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया। यह प्रतियोगिता कला, शिल्प और भाषण की तीन श्रेणियों पर आधारित थी।

इस प्रतियोगिता में प्रथम चार स्थान प्राप्त करने वालों में श्रीमती शैला सेठिया, श्रीमती स्मृति नखत, अनुजा चोरडिया और दीपिका बोथरा सेठिया रहीं। सभी पुरस्कारों की प्रायोजक श्रीमती सरला जी मेहता थीं।

कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने किया।



केंद्रीय मंत्री बंडी संजय को भाग्यलक्ष्मी मंदिर की ओर से दीपावली महोत्सव में सादर आमंत्रित करती हुई सुश्री शशिकला एवं अन्य।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शनिवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने और मानव सेवा का संदेश दिया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए कहा कि भूख को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य और मानवता की सच्ची सेवा है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों की सेवा करना तथा समाज में सहयोग, समर्पण और सेवा भावना को प्रोत्साहित करना है।



महेश्वरी भवन, हैदराबाद में द्वारकाधाम में आगामी दि. 2 से 8 जनवरी, 2027 तक आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत महाज्ञान यज्ञ की प्रचार सामग्री व बैनर का लोकार्पण प्रसिद्ध व्यावसायी अशोक बंग एवं सिखवाल प्रगति समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला द्वारा किया गया। इस अवसर पर कथा वाचक भागवताचार्य श्री सूर्यप्रकाश महाराज प्रभुदयाल पांडिया, रामेश्वरलाल जोशी, लक्ष्मीनारायण ओझा, रिहिसिदी महिला मंडल की अध्यक्षा दुर्गा ओझा व अन्य पदाधिकारियों व भक्त उपस्थित थे। भागवत में भाग लेने वाले इच्छुक भक्त प्रभुदयाल पांडिया से संपर्क कर अपना नाम पंजीकृत करवा कर सकते हैं।

शतरंज की बिसात पर चमकी ब्रह्म प्रकाश डीएव स्कूल की साईं अंशिता

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुजरात में 22 से 31 अक्टूबर 2026 तक आयोजित पश्चिमी एशियाई शतरंज टूर्नामेंट में ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल, मिथानि टाउनशिप की प्रतिभाशाली छात्रा साईं अंशिता ने अपने असाधारण खेल कोशल और उत्कृष्ट प्रदर्शन से शानदार सफलता हासिल की। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में साईं अंशिता ने क्लासिकल श्रेणी में प्रथम पुरस्कार तथा ब्लिट्ज श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनकी यह उपलब्धि निरंतर अभ्यास, अनुशासन, एकाग्रता और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। इस शानदार सफलता



से उन्होंने न केवल अपने विद्यालय, बल्कि पूरे देश भारत को गौरवान्वित किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती के. मधुबाला, डी.ए.वी. स्कूल के ए.आर.ओ. श्री वी.एन.के. शेषाद्री, विद्यालय के प्राचार्य श्री वी.एस. प्रशांत, एल.एम.सी. के सम्मानित सदस्यों एवं समस्त शिक्षकगण ने साईं अंशिता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेंगी तथा देश का गौरव बढ़ाती रहेंगी।

एनएमडीसी द्वारा एकता और अखंडता दौड़ का आयोजन



हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनएमडीसी लिमिटेड ने भारत के प्रथम उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल, जिन्हें कि भारत के

लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है, उनकी 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर, 2026 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' मनाने के लिए हैदराबाद के चाचा नेहरू पार्क में एकता और अखंडता के

लिए दौड़ आयोजित किया। यह दौड़ "सत्यनिष्ठा से समृद्धि" विषय पर आयोजित 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के दौरान आयोजित किया गया। यह पहल राष्ट्रीय एकता, अखंडता

और नैतिक आचरण के मूल्यों को उजागर करता है।

इस दौड़ को श्री कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक), एनएमडीसी लिमिटेड और श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमडीसी लिमिटेड ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एनएमडीसी के कर्मचारीगण और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के युवा प्रतिभागीगण उपस्थित थे।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निदेशक (कार्मिक) और मुख्य सतर्कता अधिकारी ने भारत की एकता और एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका और आधुनिक भारत के वास्तुकार के रूप में उनकी स्थायी विरासत पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने राष्ट्रीय नेताओं और पूर्वजों के निःस्वार्थ प्रयासों को नमन किया, जिन्होंने राष्ट्र-निर्माण में योगदान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे सरदार पटेल की राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरणा लें और अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण को बनाए रखें।

इस पहल के माध्यम से, एनएमडीसी ने विचार सतर्कता, नैतिक मूल्यों और सत्यनिष्ठा की संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

जन्मदिन की खुशियां अन्नसेवा के साथ बांटकर दिया मानवता का संदेश



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में युवान मूंदड़ा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मूंदड़ा परिवार ने

सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए जन्मदिन की खुशियां जरूरतमंदों के साथ साझा कीं। उपस्थित सदस्यों ने युवान को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उसके सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सदस्यों ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाने और जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाने का भी एक सुंदर माध्यम है।

यदि जीवन के विशेष अवसरों को सेवा और परोपकार से जोड़ दिया जाए तो उनकी सार्थकता कई गुना बढ़ जाती है।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, कमल मूंदड़ा, भंवरलाल गुप्ता, कमल अग्रवाल, इंद्रा मूंदड़ा, आशीष मूंदड़ा, करुणा मूंदड़ा एवं युवान मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने इस सेवा आयोजन की सराहना करते हुए युवान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अल नीनो से तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को झटका, जीएसडीपी में 2% तक गिरावट की आशंका

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अल नीनो के प्रभाव से बारिश को प्रभावित कर सकती है और राज्य के राजस्व संग्रह पर दबाव डाल सकती है। राज्य सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह चेतावनी दी है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान कम बारिश का असर केवल कृषि तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खरीफ उत्पादन और किसानों की आय में गिरावट से ग्रामीण क्षेत्रों की क्रय शक्ति कमजोर होगी। इसका प्रभाव औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों पर भी पड़ सकता है।



खर्च और व्यावसायिक गतिविधियों पर दिखाई देने से राजस्व संग्रह पर दबाव बढ़ सकता है।

किसानों, पट्टेदार किसानों और ग्रामीण कारीगरों को सीधे आर्थिक सहायता देने के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से विशेष वित्तीय सहायता पैकेज लागू करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही, रोजगार गारंटी कार्यों का विस्तार कर ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध कराने और गांवों में नकदी का निरंतर प्रवाह बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

रबी की खेती 30 से 40 प्रतिशत तक सिमटने का अनुमान

रिपोर्ट में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों को गंभीर नुकसान की आशंका जताई गई है। भूजल स्तर में गिरावट तथा जलाशयों और सिंचाई परियोजनाओं में पानी का भंडारण कम होने से रबी की खेती प्रभावित हो सकती है। सामान्य तौर पर रबी सीजन में लगभग 70 लाख एकड़ क्षेत्र में फसलें उगाई जाती हैं, लेकिन इस बार यह क्षेत्र घटकर केवल 30 से 40 प्रतिशत तक सीमित रह सकता है।

कृषि विभाग की ओर से अधिक पानी की खपत वाली फसलों की खेती से बचने की सलाह दिए जाने से धान और अन्य सिंचित फसलों का रकबा भी कम हो सकता है। इससे कुल कृषि उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है।

इसका असर कृषि आपूर्ति शृंखला पर भी पड़ेगा। कच्चे माल की कमी के कारण चावल मिलों और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को परे-

शानी हो सकती है। मंडियों में कृषि गतिविधियां घटने से पल्लेदारों, परिवहन कर्मियों और वाहन चालकों की आजीविका भी प्रभावित होगी।

समिति के अनुसार, तेलंगाना के 60 प्रतिशत से अधिक कार्यबल की निर्भरता कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर है। ऐसे में किसानों की आय घटने से ग्रामीण क्षेत्रों की क्रय शक्ति कमजोर होगी, व्यावसायिक लेन-देन कम होंगे और व्यापक आर्थिक मंदी की स्थिति बन सकती है।

जीएसटी संग्रह में 15 से 20 प्रतिशत गिरावट की आशंका

समिति ने चेतावनी दी है कि ग्रामीण उपभोग में कमी का असर वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता उत्पादों (एफएमसीजी) और अन्य गैर-जरूरी वस्तुओं की मांग पर पड़ेगा। इससे राज्य के कर राजस्व पर सीधा असर हो सकता है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि यदि उपभोग में गिरावट जारी रहती है तो वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के राज्य हिस्से (एसजीएसटी) के संग्रह में 15 से 20 प्रतिशत तक कमी आ सकती है।

कृषि संकट का असर रियल एस्टेट क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। कृषि भूमि के लेन-देन में पहले की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के माध्यम से सालाना 18,000 करोड़ रुपये राजस्व जुटाने का सरकारी लक्ष्य प्रभावित होने का खतरा है। निर्माण गतिविधियों में सुस्ती आने से सीमेंट, स्टील, ईट, हार्डवेयर और अन्य निर्माण सामग्री की मांग भी घट सकती है। इससे लाखों करोड़ रुपये के व्यावसायिक लेन-देन प्रभावित होने की आशंका है। समिति के अनुमान के अनुसार, निर्माण गतिविधियां कमजोर होने पर निर्माण मजदूरों, राजमिस्त्रियों और प्लंबर सहित करीब 20 लाख श्रमिकों के रोजगार पर अनिश्चितता पैदा हो सकती है।

स्नातक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में नए सिरे से पंजीकरण कराने की अपील

सभी समाजों के अध्यक्षों और पदाधिकारियों से जागरूकता अभियान चलाने का आग्रह

हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के भाषायी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के चेयरमैन श्री राजेश कुमार अग्रवाल ने हैदराबाद एवं तेलंगाना में निवास करने वाले अग्रवाल समाज, जैन समाज, माहेश्वरी समाज, राजपूत समाज, मराठा मंडल, सीरवी समाज, माली समाज, ब्राह्मण समाज, गुजराती समाज, राजस्थानी समाज, बिहारी समाज, उत्तर भारतीय समाज सहित सभी अन्य समाजों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों और सम्मानित सदस्यों से स्नातक विधान परिषद सदस्य (प्रेजुएट एमएलसी) निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में पात्र नागरिकों का पंजीकरण कराने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि हम सभी के परिवार कई वर्षों से हैदराबाद और तेलंगाना को अपनी कर्मभूमि मानते हुए यहां रहकर व्यापार, उद्योग, शिक्षा, रोजगार, समाज सेवा और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से भी हम इस भूमि की सेवा करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इस प्रकार अपने मोतियों के शहर हैदराबाद सहित तेलंगाना राज्य और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं।

लोकतांत्रिक भागीदारी जरूरी

श्री अग्रवाल ने कहा कि एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमें अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करना चाहिए। हमारे समाजों में हजारों शिक्षित युवक-युवतियां, महिलाएं, पुरुष और वरिष्ठ नागरिक हैं, जिन्होंने स्नातक की शिक्षा पूरी की है। निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले सभी नागरिक स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवा सकते हैं। मतदाता के रूप में पंजीकरण हमारी लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करता है और समाज की शिक्षा, रोजगार, व्यापार तथा विकास से जुड़ी समस्याओं को जनप्रतिनिधियों के सामने रखने का अवसर प्रदान करता है।

दो निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकरण

तेलंगाना में महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद तथा वारंगल-खम्मम-नलगोंडा स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नई मतदाता सूची तैयार की जा रही है। जिन लोगों ने पहले पंजीकरण कराया है, उन्हें भी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता के रूप में नए सिरे से पंजीकरण कराना होगा।

महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरी, विकाराबाद, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, जोगुलंका गडवाल और नारायणपेट जिले शामिल हैं।

वहीं, वारंगल-खम्मम-नलगोंडा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत वारंगल, हनमकोंडा, जयशंकर भूपालपल्ली और मुलुगु के लिए भी मतदाता पंजीकरण की जानकारी दी गई है।

पात्रता और जरूरी दस्तावेज

मतदाता बनने के लिए आवश्यक है कि संबंधित व्यक्ति ने 1 नवंबर 2026 से कम से कम तीन वर्ष पहले स्नातक की उपाधि प्राप्त कर ली हो। किसी भी विश्वविद्यालय से स्नातक या निर्धारित समकक्ष योग्यता रखने वाला व्यक्ति संबंधित निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य निवासी होना चाहिए।

आवेदन के साथ संबंधित विश्वविद्यालय या संस्थान द्वारा जारी मूल डिग्री अथवा डिप्लोमा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। इसकी एक प्रति भी दी जा सकती है, जिसे संबंधित जिले के नामित अधिकारी, अतिरिक्त नामित अधिकारी अथवा राजपत्रित अधिकारी द्वारा मूल डिग्री या डिप्लोमा प्रमाणपत्र के साथ विधिवत सत्यापन के बाद प्रमाणित किया गया हो।

पात्र नागरिक प्रपत्र-18 में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 6 नवंबर 2026 (शुक्रवार) निर्धारित की गई है। मतदाता सूची का मसौदा 25 नवंबर 2026 (बुधवार) को प्रकाशित किया जाएगा। इस पर दावे और आपत्तियां 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2026 (गुरुवार) तक प्रस्तुत की जा सकेंगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

30 दिसंबर 2026 (बुधवार) को किया जाएगा।

ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन

ऑफलाइन आवेदन के लिए महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद निर्वाचन क्षेत्र के प्रपत्र-18 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एवं अतिरिक्त आयुक्त, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), हैदराबाद को जमा किए जाएंगे। वहीं, वारंगल-खम्मम-नलगोंडा निर्वाचन क्षेत्र के आवेदन निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एवं अतिरिक्त कलेक्टर, नलगोंडा तथा संबंधित अधिसूचित सहायक निर्वाचन अधिकारियों के पास जमा किए जा सकते हैं।

घर या कार्यालय में बैठकर मोबाइल के माध्यम से भी प्रपत्र-18 भरकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसके लिए आधिकारिक वेबसाइट <https://ceotelangana.nic.in/> पर आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध है।

आवेदन के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार का फोटो, डिग्री प्रमाणपत्र और आवश्यक निवास प्रमाणपत्र तैयार रखें। किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण या शंका के लिए संबंधित मतदाता पंजीकरण अधिकारी अथवा कॉल सेंटर से संपर्क किया जा सकता है। इसके लिए सभी कार्यदिवसों में सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1950 पर फोन किया जा सकता है।

समाजों से विशेष अपील

श्री राजेश कुमार अग्रवाल ने सभी समाजों के अध्यक्षों से विनम्र अनुरोध किया कि वे अपने-अपने समाजों में मतदाता पंजीकरण जागरूकता अभियान चलाएं और प्रत्येक पात्र स्नातक तक यह जानकारी पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का यह महत्वपूर्ण अवसर है। सभी समाज मिलकर शिक्षा, एकता, सामाजिक सम्मान और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। प्रत्येक पात्र नागरिक का मत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय एकता से मजबूत होता है राष्ट्र : डॉ. बांडा प्रकाश



हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय एकता दिवस विभिन्न भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के लोगों के बीच एकता, अखंडता, शांति एवं सद्भाव को बढ़ावा देता है। यह बात तेलंगाना विधान परिषद के उपसभापति एवं पूर्व सांसद डॉ. बांडा प्रकाश ने कही। वे शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस पर तेलंगाना सिटिजन्स काउंसिल की राज्य शाखा द्वारा विधान परिषद कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम

में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने 560 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर देश की एकता और अखंडता स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रमुख शिक्षाविद एवं पर्यावरणविद डॉ. लायन कोमटिरेड्डी गोपाल रेड्डी ने स्कूलों एवं कॉलेजों में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते

हुए परिषद के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने पटेल के योगदान और आदर्शों को याद किया। उन्होंने बताया कि पटेल को वर्ष 1991 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। इस अवसर पर समाज-सेवा एवं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए तीन व्यक्तियों को राष्ट्रीय एकता पुरस्कार-2026 प्रदान किया गया। इनमें भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार समिति के तेलंगाना कार्यकारी अध्यक्ष मडिगाला विजयभास्कर रेड्डी, वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी

करोल्ला चंद्रैया मुदिराज तथा माउंट मर्सी स्कूल के संवाददाता एवं शिक्षाविद सैयद अब्दुल मुतकीबीर शामिल हैं। मुख्य अतिथि डॉ. बांडा प्रकाश ने तीनों को शॉल, स्मृति चिह्न, पुष्पमाला एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं परिषद के राज्य सचिव मोहम्मद अता शरीफ, उपाध्यक्ष कुंभरथी रवींद्र, समन्वयक मीगडा सपना राजेश, हेलो एसिस धीच, जी. वेणुगोपाल, बिचुकारी सूर्य सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।



आकांक्षा महिला संस्था की मासिक सभा कार्तिक मास के पावन अवसर पर सहयोग एवं सेवा के अंतर्गत जैन सेवाथम दादावाड़ी में आयोजित की गई। इस अवसर पर संस्था की महिला सदस्यों ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आगम में सेवा अर्पित की। सभा में सुमन गुप्ता, विनीता एवं ममता ने उपस्थित महिला सदस्यों का अभिनंदन किया।



पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर हैदराबाद के नामपल्ली स्थित तेलंगाना विधानसभा के सामने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

एमएलसी वोट पंजीकरण जारी

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार को जियागुडा मंडल भाजपा विकास कार्यालय में हैदराबाद, रंगारेड्डी और महबूबनगर स्नातक एमएलसी चुनाव के लिए ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण किया गया। इस दौरान पूर्व नगरसेवक बोहिनी दर्शन और वरिष्ठ भाजपा नेता मधिरा सत्यनारायण ने मतदाताओं को पंजीकरण की रसीदें प्रदान कीं। उन्होंने कारवां निर्वाचन क्षेत्र के जियागुडा क्षेत्र के स्नातक मतदाताओं से 6 नवंबर 2026 तक पंजीकरण कराने की अपील की। इसके लिए आधार कार्ड, फोटो, मतदाता पहचान पत्र और किसी भी डिग्री का अनंतिम प्रमाणपत्र लेकर भाजपा विकास कार्यालय के हेल्प डेस्क पर निःशुल्क ऑनलाइन पंजीकरण कराया जा सकता है। कार्यक्रम में श्रीनाथ गौड़, टीडीपी नेता कालेरु नरसिंह राव, वरला नंदीकिशोर सहित अन्य उपस्थित थे।



राष्ट्रपति निलयम में सरदार पटेल की 151वीं जयंती पर आयोजन



हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रपति निलयम, बोलारम, सिकंदराबाद में 31 अक्टूबर 2026 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

समारोह में सीआईएसएफ की राष्ट्रीय

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के अन्नकूट एवं दीपावली मिलन की तैयारियां पूरी

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज की मलकपेट शाखा के पदाधिकारियों एवं कार्यक्रम संयोजकों की बैठक महावीर प्रसाद अग्रवाल के निवास पर आयोजित हुई। बैठक में आगामी 15 नवंबर 2026, रविवार को प्रातः 11 बजे आत्म गौरव भवन, उपपल में होने वाले अन्नकूट प्रसाद एवं दीपावली मिलन समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि समारोह में प्रत्येक अग्रबंधु दीप प्रज्वलित करेगा। साधारण सभा



एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों के सम्मान के बाद आतिशबाजी होगी तथा सभी समाजबंधु अन्नकूट प्रसाद ग्रहण करेंगे।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष पंकज संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल,

कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल तथा अन्नकूट प्रसाद संयोजक अशोक अग्रवाल एवं दिनेश गोयल उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने समाज के सभी परिवारों से सपरिवार समारोह में शामिल होने की अपील की।

बिहार एसोसिएशन ने छठ घाट की व्यवस्था को लेकर ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के अंतर्गत कार्यरत उपपल छठ पूजा समिति के अध्यक्ष रविशंकर सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम उपपल-2 के उप आयुक्त आनंद कुमार एवं उप अभियंता डी. उमेश से मुलाकात कर उपपल-बनुकुमा घाट पर छठ महापर्व के आयोजन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने संबंधी ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने घाट की



साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और अन्य नागरिक सुविधाएं समय पर सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि ब्रतियों एवं श्रद्धालुओं को

पूजा के दौरान परेशानी न हो। समिति ने नगर निगम प्रशासन से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा जताई।